रोल नं.
Roll No. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

101 **401 (IMA)**

2020

हिन्दी

समय : 3 घण्टे | **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के **दो** खण्ड **'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है। प्रश्नों के उत्तर यथा सम्भव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड - 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

हिन्दी साहित्य में शुद्ध साहित्य की दृष्टि से तुलसी और सूर तथा विषय के महत्व की दृष्टि से तुलसी और कबीर अद्वितीय हैं। तुलसी में अपने आदर्श के कारण जहाँ शक्ति, बल और उत्साह मिलता है, वहाँ कबीर में जीवन की प्रधान समस्या की ओर हमारा ध्यान आकर्षित हो, इस चिन्तन की प्रेरणा मिलती है। इस क्षेत्र में कबीर अद्वितीय हैं। अपनी इस सार्वजनीन भावना के कारण ही वे जनता में विशेष लोकप्रियता प्राप्त कर सके। साहित्य की सबसे बड़ी देन जीवन की मूल समस्याओं पर मौलिक रूप से विचार करने की प्रेरणा उत्पन्न करना है। कबीर साहित्य हमें यह प्रेरणा देता है।

कबीर की प्रेरणा सत्य की साधना से है न कि काव्य-सौन्दर्य-प्रदर्शन से। रसग्राहियों और कला-पिपासुओं ने कबीर का विशेष सम्मान कभी नहीं किया। भ्रातृ-भावना और समता की दृष्टि कबीर से पहले इस रूप में और कहीं भी नहीं दिखाई पड़ती। रामानुज भक्ति के क्षेत्र में तो समानता के समर्थक थे, परन्तु इस क्षेत्र से बाहर वे भी सामाजिक भेद-भाव को मानते थे। 'हम सब ईश्वर की सन्तान हैं, मनुष्य-मात्र समान है, जाति और धर्म का कोई भेद नहीं है।' इस प्रकार की घोषणा करने वाले सर्वप्रथम व्यक्ति कबीर ही थे।

(क) कबीर, तुलसी से किस रूप में भिन्न थे? 3

(ख) कबीर की लोकप्रियता के क्या कारण थे? 3

(ग) कबीर के काव्य की मूल विशेषता क्या है? 3

(घ) कबीर अपने गुरु रामानुज से किस रूप में भिन्न थे? 3

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक बताइए। 3

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए- 10

(क) राष्ट्र निर्माण एवं नागरिक दायित्व

(ख) हमारी सांस्कृतिक विरासत

(ग) राष्ट्रभाषा का महत्व

(घ) साम्प्रदायिक सौहार्द एवं विश्व शान्ति

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए– $1\times5=5$

(क) जनसंचार का सबसे नया माध्यम है -

(i) टेलीविजन

(ii) समाचार पत्र

(iii) इण्टरनेट

(ख) समाचार पत्र का सबसे महत्वपूर्ण पृष्ठ कहलाता है-

(i) विज्ञापन

(ii) संपादकीय

(iii) फोटो पत्रकारिता

(ग) निम्नलिखित में एक पत्रिका है -

(i) अमर उजाला

(ii) इण्डिया टुडे

(iii) दैनिक जागरण

(घ) समाचार पत्र एवं फीचर में अन्तर बताइए।

(ङ) समाचार लेखन के कोई दो 'ककार' बताइए।

4. 'बढ़ते आतंकवाद की विभीषिका' **अथवा** 'युवा भारत' विषय पर लगभग 150 शब्दों का आलेख लिखिए। 5

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $2\times3=6$

(i) मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ,
मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ,
जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते,
मैं अपने मन का गान किया करता हूँ!

(क) 'स्नेह-सुरा' के पान से कवि क्या भाव व्यक्त करना चाहता है?

(ख) 'जग का ध्यान' न करने का क्या आशय है?

(ग) जन साधारण एवं कवि की मूल भावना में आपको क्या अन्तर दिखाई देता है?

(ii) बच्चे प्रत्याशा में होंगे,

नीड़ों से झाँक रहे होंगे-

यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है!

दिन जल्दी - जल्दी ढलता है!

मुझसे मिलने को कौन विकल?

मैं होऊँ किसके हित चंचल?

यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है!

दिन जल्दी - जल्दी ढलता है!

(क) पद्यांश के कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ख) बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे?

(ग) दिन जल्दी - जल्दी ढलता है - की आवृत्ति से कविता की किस विशेषता का पता चलता है?

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - $2\times2=4$

तिरती है समीर-सागर पर

अस्थिर सुख पर दुख की छाया-

जग के दग्ध हृदय पर

निर्दय विप्लव की प्लावित माया -

यह तेरी रण - तरी

भरी आकांक्षाओं से,

घन, भेरी - गर्जन से सजग सुप्त अंकुर

उर में पृथ्वी के, आशाओं से

नवजीवन की, ऊँचा कर सिर,

ताक रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल!

(क) उपर्युक्त काव्यांश का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले किन-किन परिवर्तनों को कविता रेखांकित करती है?

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - $2\times2=4$

(क) 'कविता के बहाने' कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) 'बादल राग' कविता के आधार पर बताइए कि बादलों के आगमन से प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन होते हैं?

(ग) 'छोटे चौकोने खेत' को कागज का पन्ना कहने का आशय पठित कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×3=6

(i) सेवक-धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है - नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि-सूचक नाम किसी को बताती नहीं। केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया; पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं नाम का कभी उपयोग न करूँ। उपनाम रखने की प्रतिभा होती, तो मैं सबसे पहले उसका प्रयोग अपने ऊपर करती, इस तथ्य को वह देहातिन क्या जाने, इसी से जब मैंने कंठी माला देखकर उसका नया नामकरण किया तब वह भक्तिन-जैसे कवित्वहीन नाम को पाकर भी गद्‌गद हो उठी।

(क) भक्तिन को सेवक धर्म में हनुमानजी की स्पर्द्धा करने वाली कहने में लेखिका का निहितार्थ क्या है?

(ख) भक्तिन नये नामकरण से गद्‌गद क्यों हो उठी?

(ग) लेखिका के कथनानुसार नामों के विरोधाभास को स्पष्ट कीजिए।

(ii) बाजार आमंत्रित करता है कि आओ मुझे लूटो और लूटो। सब भूल जाओ, मुझे देखो। मेरा रूप और किसके लिए है? मैं तुम्हारे लिए हूँ। नहीं कुछ चाहते हो, तो भी देखने में क्या हरज़ है। अजी आओ भी। इस आमंत्रण में यह खूबी है कि आग्रह नहीं है आग्रह तिरस्कार जगाता है। लेकिन ऊँचे बाजार का आमंत्रण मूक होता है और उससे चाह जगती है। चाह मतलब अभाव। चौक बाजार में खड़े होकर आदमी को लगने लगता है कि उसके अपने पास काफी नहीं है और चाहिए, और चाहिए।

(क) 'आदमी बाजार के आमंत्रण पर अपने को भी भूल जाता है' इस तथ्य से आप कहाँ तक सहमत हैं?

(ख) बाजार का जादू चढ़ने-उतरने का मनुष्य पर क्या असर पड़ता है?

(ग) 'और चाहिए, और चाहिए' के पक्ष व विपक्ष में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 3×2=6

(क) पठित पाठ के आधार पर 'बाजारूपन' का तात्पर्य समझाइए। किस प्रकार के व्यक्ति बाजार को सार्थकता प्रदान करते हैं?

(ख) 'शिरीष के फूल' के माध्यम से लेखक ने विषम परिस्थितियों में जीने का संदेश दिया है। स्पष्ट कीजिए।

(ग) जाति प्रथा के दोषों के सन्दर्भ में डॉ. आंबेडकर के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2×2=4

(क) 'यशोधर बाबू चाहते थे कि उन्हें समाज़ का सम्मानित बुजुर्ग माना जाये'। आज के सन्दर्भ में उनकी उक्त भावना पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'जूझ' कहानी के आधार पर कथानायक के व्यक्तित्व की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(ग) 'सिन्धु-सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी।' पठित रचना के आधार पर उक्त कथन की समीक्षा कीजिए।

11. 'जूझ' कहानी के आधार पर बताइए कि कथा नायक के व्यक्तित्व पर सर्वाधिक प्रभाव किसका पड़ा और किस रूप में? 5

अथवा

'मुअनजो-दड़ो की नगर योजना बड़ी मनोमुग्धकारी थी'। पठित पाठ के आधार पर उक्त कथन को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - 'ब'

12. निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा केवलं **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्ण वाक्येन उत्तरत- 2×3=6

(निम्नांकित गद्यांश को पढ़कर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

एकदा अनुजः स्वादु मांसम् आनीतवान्। किन्तु तस्य भक्षणात् अग्रजः उदरे महान्तं तापम् अनुभूतवान्। अचिरात् एव तेन वमनं प्राप्तम् अपि। अतः सः तस्मिन् एव क्षणे 'इतः परं मया मांसभक्षणं न करणीयम्' इति सङ्कल्प्य अनुजम् अवदत् - 'भ्रातः! इतः परम् अहं कदापि मांसभक्षणं न करिष्यामि।'

(क) अनुजः कीदृशं मांसम् आनीतवान् ?

(ख) अनुजः स्वादु मांसं कस्मै आनीतवान्?

(ग) अग्रजः उदरे किम् अनुभूतवान्?

(घ) अग्रजः अनुजं किम् अवदत्?

13. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ संस्कृतभाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×2=4

(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

उष्मतो म्लायते वर्णस्त्वक् फलं पुष्पमेव च।
म्लायते शीर्यते चापि स्पर्शस्तेनात्र विद्यते।।

(क) उष्मतो किं जायते?

(ख) उष्मतो केषां वर्णः म्लायते?

(ग) स्पर्शः कुत्र विद्यते?

14. अधोलिखित प्रश्नेभ्यः **पञ्च** प्रश्नान् संस्कृतभाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×5=10

(अधोलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)

(क) नीचैः विघ्नभयेन किं न क्रियते?

(ख) मण्डूकै किं निर्णीतम्?

(ग) रूपग्रामे कौ निवसतः स्म?

(घ) अनुजः किं करोति स्म?

(ङ) पृथिव्याः कथं प्रकम्पते?

(च) गोविन्द वल्लभ पन्तः कस्य प्रान्तस्य मुख्यमंत्री अभवत्?

(छ) का वृक्षं वेष्टयते?

(ज) मंच संचालनं कः करिष्यति?

15. अधोलिखितेषु पदेषु **चत्वारि** पदानि चित्वा तेषां वाक्य रचना संस्कृतभाषायां कुरुत- 1×4=4

(निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **चार** शब्दों का संस्कृत में वाक्य प्रयोग कीजिए)

फलम्, ददाति, अभितः, दिवाकरः, पुष्पाणि, प्रवहति, हिमालयात्, भारतम्, मेघः, तीव्रम्

16. (क) समासविग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं च कुरुत- 1

(समास विग्रह कर समास का नाम भी लिखिए)

धर्मात्मजः **अथवा** महापुरुषः

(ख) 'लता' **अथवा** 'मति' शब्दस्य तृतीया एकवचनस्य रूपं लिखत। 1

('लता' **अथवा** 'मति' शब्द के तृतीया एक वचन का रूप लिखिए।)

(ग) कारक-निर्देशनं कुरुत (कारक बताइए)- 1

आकाशे **<u>अथवा</u>** रामाय

(घ) 'गम्' **<u>अथवा</u>** 'लिख्' धातोः प्रथमपुरुष बहुवचनस्य रूपं लिखत। 1

(गम् **<u>अथवा</u>** लिख् धातु के प्रथम पुरुष बहुवचन का रूप लिखिए।)

(ङ) (i) सन्धिं कुरूत (सन्धि कीजिए)– 1

गुण + आदित्यः **<u>अथवा</u>** चन्द्र + उदयः

(ii) सन्धिविच्छेदं कुरूत (सन्धि विच्छेद कीजिए)– 1

कश्चित् **<u>अथवा</u>** इत्यादि

अथवा

अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं विहाय कमपि अन्यं कण्स्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दीभाषायां तस्यानुवादं कुरुत। 3+3=6

(कोई कण्ठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो, लिखिए और हिन्दी में उसका अनुवाद कीजिए।)

*****